HISTORY (H)

PART – 'B'

B.A. – III

PAPER – 7th.

HISTORY OF INDIA (1550 – 1750)

UNIT – 7th – Decline of Mugal.

मुगल साम्राज्य का पतन :-

→ निरंकुश शक्ति पर आधारित साम्राज्य :-

मुगल साम्राज्य के अधिकांश शासक निरंकुश थे। उन्होंने न तो मंत्रिमंडल के परामर्श से काम किया, न जनता की इच्छा की पूर्ति की। वह एक मात्र सैनिक शक्ति पर आधारित थी। सम्राट, साम्राज्य की आय का एक बड़ा भाग सेना पर ही खर्च कर देते थे इससे जनकल्याणकारी कार्यों की उपेक्षा होती थी। सत्ता प्रथा शक्ति पर आधारित राज्य कब तक चलता सैनिक शक्ति कमजोर पड़ते ही मुगल साम्राज्य का पतन हो गया।

→ मुगल सेना का पतन :

मुगल सेना दिन व दिन अनुशासन हीन होती गई बड़े –

Scanned with CamScanner

बड़े सरदार भ्रष्ट हो गये। उनमें लड़ने का उत्साह जाता रहा। सेना के प्रशिक्षण के लिए कोई वैज्ञानिक व्यवस्था नहीं थी। नौसेना की उपेक्षा की गई। सैनिक साज सामान पर जोर नहीं दिया गया। यूरोपीय देशों में जहाज बन गए थे। परंतु भारत में इनकी नकल भी नहीं की जा सकी। सीमा सुरक्षा पर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया गया।

=> मुहम्मदशाह की अकुशलता :-

मुहम्मदशाह 30 वर्षों तक मुगल साम्राज्य का शासक बना रहा। परन्तु राजकीय अकुशलता के कारण वह साम्राज्य में नवीन प्राण नहीं फूंक सका वह स्वयं विलासी था तथा अच्छे वजीरों की सलाह न मानकर स्वार्थी व भ्रष्ट लोगों के हाथों का खिलौना बना रहा। निजाम-उल-मुल्क जो इसका वजीर था, सम्राट की गलत नीतियों से तंग आकर पद को छोड़ दिया तथा 1724 ई० में हैदराबाद चला गया। वैसे मुगल साम्राज्य इतने

वाला परन्तु इस घटना ने उसे सदा के लिए दबा दिया।

→ शक्तिशाली सूबेदारों की महत्वाकांक्षा :-

बंगाल, हैदराबाद, अवध तथा पंजाब प्रांतों के सूबेदार अपने प्रदेशों को सम्राट की अधीनता से मुक्त करने लगे थे। अवसर पाकर ये सूबेदार स्वतंत्र शासक बन बैठे, जिससे मुगल साम्राज्य एक कम शक्तिहीन हो गया।

→ साम्राज्य की विशालता :-

औरंगजेब घोर साम्राज्यवादी था उसे बीजापुर तथा गोलकुंडा तक अपने साम्राज्य को विस्तृत कर लिया था। औरंगजेब इतने बड़े साम्राज्य की सुरक्षा करना असंभव सिद्ध हुआ।

→ मुगल सम्राटों का व्यक्तित्व व चरित्र —

परवर्ती मुगल सम्राटों से विलासप्रियता हरम में स्त्रियों से सम्पर्क के प्रति लगाव थी।

Scanned with CamScanner

Page No.:
Date:

सुन्दरी व सानिध्य पाकर प्रशासनिक काम काज के प्रति उनका मोहभंग होने लगा जिससे स्वाभाविक रूप से अव्यवस्था प्रभावी हो गई और प्रशासन में उदासीनता आ गई तथा कमजोर हो गया।

7) लोक हित का अभाव :-

निरंकुश अनियंत्रित राजतंत्र के दौर मुगल साम्राज्य में आए शासकों ने प्रजा के बौद्धिक, नैतिक, सांस्कृतिक प्रगति के लिए कार्य नहीं किया। प्रशासन भ्रष्ट, चापलूस, व मात्र लोगों के हाथों में चला गया। व्यापार व्यवसाय, कला, संगीत, स्थापत्य को सहारा मिलना बंद हो गया जो मुगल साम्राज्य के पतन का कारण बना।

To be continue...

DR. UDAY KUMAR.
DR. U.K.V.D. college Patna

Scanned with CamScanner